

## PHARMACOLOGY

Time : 3:00 Hours]

[Maximum Marks : 80

### NOTES:

- i) Attempt all parts.
- ii) Students are advised to specially check the Numerical Data of question paper in both versions. If there is any difference in Hindi Translation of any question, the students should answer the question according to the English version.
- iii) Use of Pager and Mobile Phone by the students is not allowed.

### PART-A

(Long questions)

Answer any six questions. Each question carries equal marks.

[6 × 5 = 30]

- Q1) Explain various routes of administration of drugs.
- Q2) Discuss general mechanism of drug actions.
- Q3) Explain briefly pharmacology of cholinergic and anticholinergic drugs.
- Q4) What are general anaesthetics? Write advantages and disadvantages of nitrous oxide.
- Q5) What is hypertension? Give pharmacological classification of anti-hypertensive drugs.
- Q6) Define hematinic agents. Write pharmacological classification of anti-coagulants.
- Q7) Give informative notes on bronchodilators.

### PART-B

(Short questions)

Answer any ten questions. Each question carries equal marks.

[10 × 3 = 30]

- Q1) Write notes on anti-ulcer drugs.
- Q2) Classify diuretics.
- Q3) Give the physiological role of thyroid hormones.
- Q4) Write the physiological role of prostaglandins.
- Q5) Write notes on sulphonamides.
- Q6) Classify anti-viral drugs.







(हिन्दी अनुवाद)

- नोट : i) सभी भागों के उत्तर दीजिए।
- ii) परीक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि ये प्रश्न-पत्र के दोनों अनुवादों में सांख्यिकीय अंकड़ों का विरोध रूप से गिनायत न करें। यदि हिन्दी अनुवाद के किसी प्रश्न में किसी प्रकार की भिन्नता है, तो परीक्षार्थी अंग्रेजी अनुवाद के अनुसार प्रश्न का उत्तर दें।
- iii) परीक्षार्थियों द्वारा पेजर और मोबाइल फोन का प्रयोग अनुमत्त नहीं है।

भाग - अ

किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

[6 × 5 = 30]

- प्र. 1) औषधियों के प्रवेश के विभिन्न भागों के बारे में व्याख्या कीजिए।
- प्र. 2) औषधिय क्रियाओं के सामान्य क्रियाविधि की विवेचना कीजिए।
- प्र. 3) कोलिनर्जिक एवं कोलिनर्जिकरोधी औषधियों का औषधिशास्त्रीय प्रभाव (पारमाकोलाजी) का संक्षिप्त वर्णन करें।
- प्र. 4) जनरल एनेस्थेटिक्स क्या है? नाइट्रस आक्साइड के लाभ एवं हानियाँ लिखिए।
- प्र. 5) उच्च रक्तचाप क्या है? उच्च रक्तचाप रोधी औषधियों का औषधीय वर्गीकरण दीजिए।
- प्र. 6) हेमेटिनिक एजेंटों को परिभाषित करें। थक्कारोधी के औषधीय वर्गीकरण को लिखिए।
- प्र. 7) ब्रान्किवोडाइलेटर्स पर शिक्षाप्रद टिप्पणी दीजिए।

भाग - ब

(लघु प्रश्न)

किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं।

[10 × 3 = 30]

- प्र. 1) अल्सररोधी दवाओं पर टिप्पणी लिखिए।
- प्र. 2) मूलवर्धक का वर्गीकरण कीजिए।



4) कौन सी औषधि केन्द्रियपेशी प्रस्युटक की तरह उपयोग होती है?

- अ) एस्पिरिन  
ब) डायजीपाम  
स) मेफेनैमिक एसिड  
द) कोई नहीं

प्र.5) नाइट्रोग्लिसरीन का उपयोग ..... में होता है।

- अ) उच्च रक्तचाप  
ब) हृदय शूल  
स) मोटापा  
द) घीन्सर

प्र.6) विगुआनाइड का उदाहरण कौन सा है?

- अ) ग्लिबेन्क्लामाइड  
ब) रेपग्लिनाइड  
स) मेटफोर्मिन  
द) रोसिग्लिटोजोन

प्र.7) कार्बिमाजोल का प्रयोग ..... उपचार में किया जाता है।

(अतिगलप्रथिता/हाइपोथायरायडिज्म)

प्र.8) अमोनियम क्लोराइड का प्रयोग ..... के रूप में किया जाता है।

(एक्सपेक्टोरेंट/ब्रोन्कोडायलेटर)

प्र.9) एम्फीटामिन भूख ..... है।

(दबाता/बढ़ाता)

प्र.10) एल्बेंडाजोल एक ..... दवाई है।

(कृमिनाशक/एण्टी-डायरिया)

प्र.11) एट्रोपीन सल्फेट का उपयोग होता है .....

- अ) मायड्रायटिक दवा  
ब) मिओटिक दवा  
स) शामक दवा  
द) कोई नहीं

प्र.12) मार्फिन एक ..... एनाल्जेसिक है।

(मादक/गैर मादक)

प्र.13) डिफेनिल हाइड्रॉडोइन का प्रयोग ..... के उपचार में किया जाता है।

(मिरगी/घुच्छ रोग)

प्र.14) मेगालोस्ट्रिक एनीमिया भी ..... के रूप में जाना जाता है।

(मेक्रोसाइटिक एनीमिया/माइक्रोसाइटिक एनीमिया)



प्र.15) इन्सुलिन ..... मार्ग द्वारा दिया जाता है।

(इंद्राधेनस/सबबयूटेनियस)

प्र.16) कॉर्टि कोस्टेरोइड का उपयोग ..... के उपचार में किया जाता है।

- |            |                       |
|------------|-----------------------|
| अ) मलेरिया | ब) स्टेटरा आस्थापटिकस |
| स) मधुमेह  | द) उच्च रक्तचाप       |

प्र.17) हार्मोन्स उत्पन्न होते हैं :

- |                        |                        |
|------------------------|------------------------|
| अ) अंतः रसायी ग्रंथियो | ब) बहिः रसायी ग्रंथियो |
| स) हृदय                | द) यकृत                |

प्र.18) कार्डियोजेनिक शॉक के उपचार में पसंद की दवा है :

- |                  |                |
|------------------|----------------|
| अ) एपिनेफ्रीन    | ब) डोपामाइन    |
| स) आइसोप्रोपेनॉल | द) उपरोक्त सभी |

प्र.19) इंसो, जेलुसिन, डाइजीन आदि ..... औषधियों के प्रकार हैं।

- |                       |                  |
|-----------------------|------------------|
| अ) एंटीट्यूमिच एजेंट  | ब) हिस्टमीन रोधी |
| स) एंटासिड (अम्लरोधी) | द) मूत्रवर्धक    |

प्र.20) सेफैक्लो ..... पीदी का सेफालोस्योरिन है।

(दूसरा/तीसरा)

